दैनिक

जनता की आवाज

मीडिया फॉर यू

प्रकाशन के 09 वर्ष

RNI: UPHIN/2015/65169

बुधवार 08 मई 2024

वर्ष: 09, अंक: 104

पृष्ठ: 04 मूल्य: 02 रुपया

गाजियाबाद से प्रकाशित हापुड़ ❖ मेरठ ❖ शामली ❖ मुजफ्फरनगर ❖ बागपत ❖ सहारनपुर ❖ बिजनौर ❖ दिल्ली एनसीआर में प्रसारित

Email:- m4unews@gmail.com 8445657566

अधिकारियों ने धनौरा रोड पर हो रहे... 4

सर्वाधिक आवास, शौचालय व किसान सम्मान निधि का लाभ सीतापुर को: सीएम

मुख्यमंत्री ने सीतापुर के सांसद व भाजपा प्रत्याशी राजेश वर्मा को फिर से जिताने की अपील की

सीतापुर एजेंसी। आप नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में हैं। कई पीढ़ियां जिस कार्य को नहीं देख पाईं, उसे हम सबने अपनी आंखों से देखा। अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बन गया, लेकिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव ने बयान दिया है कि राम मंदिर का निर्माण बेकार हुआ है। यही बयान अगर वह किसी मुसलमान के खिलाफ दिये होते तो मुसलमान बर्दाश्त नहीं करता, लेकिन आपके लिए उनके मन में जो भी आ जाए, वह बोल देंगे। क्या आप यह बर्दाश्त कर पाएंगे। सीएम ने आह्वान किया कि जो राम-कृष्ण व आस्था का अपमान कर रहे हैं। उन्हें चुनाव में वोट की ताकत दिखा दीजिए और औकात पर ला दीजिए। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने मंगलवार को सेउता-बिसवां रोड पर आयोजित जनसभा में सीतापुर के सांसद व 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी राजेश वर्मा को फिर से जिताने की अपील की। सीएम ने बिन नाम लिए सपा को चेताया कि यह लोग सत्ता से कोसों दूर हैं। चुनाव के बाद इनकी गर्मी अपने आप ठीक हो जाएगी।

सीएम योगी ने कहा कि सपा नौजवानों के हाथों में तमंचे देती थी, हमने उन्हें टैबलेट दे दिया। अयोध्या में रामलला विराजमान हुए हैं तो माफिया-अपराधियों का रामनाम सत्य की यात्रा भी निकल रही है। सपा के लोग रामभक्तों पर गोली चलाते हैं और आतंकियों की आरती उतारते हैं। उनके मुकदमे वापस लेते हैं। रामभक्तों के निधन पर खुशी मनाते हैं और माफिया की मौत पर घड़ियाली आंसू बहाते हैं। सीएम ने सीतापुर व सेवता के नागरिकों के प्रति अपना लगाव प्रदर्शित किया। बोले कि यह जनपद भाजपा प्रत्याशियों के लिए शुभ है। जब भी मेरा आगमन हुआ है तो आपका आशीर्वाद भाजपा प्रत्याशियों को मिला। आपके आशीर्वाद से ज्ञान तिवारी विधायक बने और सांसद राजेश वर्मा के साथ मिलकर बाढ़ की समस्या के समाधान में लगभग पूरी सफलता प्राप्त कर ली है। देश में गरीबों को सबसे अधिक आवास व शौचालय सेवता विधानसभा और सीतापुर जनपद को मिला। सर्वाधिक किसान सम्मान निधि का लाभ सीतापुर जनपद को मिला है। आपने अच्छे जनप्रतिनिधियों को चुना है, इसलिए आपका जनपद विकास की मुख्यधारा के साथ जुड़ा है। यहां गरीब कल्याणकारी योजनाएं भी खूब आ रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश में हाइवे बन रहे हैं। नमो भारत, वंदे भारत, अमृत भारत ट्रेनें चल रही हैं। एक्सप्रेसवे के साथ-साथ सीतापुर में हमारी सरकार ने नैमिषारण्य का भव्य पुनरोद्धार किया है। अब हम सीतापुर को इलेक्ट्रिक बस से जोड़ने की कार्रवाई बढ़ा रहे हैं। यहां की सभी समस्याओं का निदान कर रहे हैं। सीएम योगी ने विपक्षियों पर तंज कसते हुए कहा कि पाकिस्तान के हिमायती लोगों को बताइए कि भारत को तोड़कर बने पाकिस्तान में लोग भूखों मर रहे हैं। एक किलो आटा के लिए छीनझपटी हो रही है और भारत 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा, फंदा लगने से हुई थी छात्रा की मौत

एटा (वार्ता)। कस्बा व थाना अवागढ़ के मोहल्ला कोलियान में रविवार की दोपहर बीएससी की छात्रा रिंकज (18) का शव घर में ही फंदे पर लटक मिला था। उसके पिता व ताऊ ने हत्या की आशंका जताई थी। पोस्टमार्टम के बाद आई रिपोर्ट में मृत्यु का कारण फंदा लगने से दम घुटना बताया गया है। मूल रूप से फिरोजाबाद जिले के गांव थरौआ निवासी शांति स्वरूप लंबे समय से परिवार सहित यहां आकर बस गए। उनकी पुत्री रिंकज यादव (18) मौहर सिंह डिग्री कॉलेज वसुंधरा में पढ़ रही थी। इस समय उसकी परीक्षाएं चल रहीं थीं। शांति स्वरूप दिल्ली में रहकर हलवाई का काम करते हैं। मोहल्ला कोलियान में घर पर पत्नी राधा, पुत्री रिंकज व पुत्र अंकुर रहते हैं। रविवार की दोपहर लगभग 2 बजे राधा व अंकुर दवा लेने कस्बे के ही एक होम्योपैथिक चिकित्सक के क्लीनिक पर गए थे। शाम के लगभग 5 बजे यह लोग घर लौटे तो देखा घर के मुख्य दरवाजे पर बाहर से ताला था। पड़ोसी की छत पर चढ़कर अंकुर अपने घर में उतरा। वहां कमरे के दरवाजे के ऊपर बने रोशनदान में साड़ी के फंदे पर लटका था। शव को उतारकर राधा ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने रिंकज के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मंगलवार को पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आई, जिसमें मौत का कारण फंदा लगने से दम घुटना आया। ताऊ कमलेश यादव ने बताया कि हमें अभी रिपोर्ट के बारे में जानकारी नहीं मिली है। जानकारी मिलने पर रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेंगे।

सपा के एजेंट का बस्ता फेंकने का वीडियो हुआ वायरल

करहल (मैनपुरी) (वार्ता)। कस्बा करहल में सपा के एक एजेंट का बस्ता फेंक दिया गया। उसे बस्ता न लगाने की धमकी दी गई। इस दौरान धक्का मुक्की करते हुए धमकाया गया। इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए चुनाव आयोग से संज्ञान लेने की बात कही। कई अन्य स्थानों से इस तरह की सूचनाएं मिलीं। भाजपा के लोगों पर पक्ष में वोट डालने के लिए धमकाने के भी आरोप लगे। करहल कस्बा में सुबह एक मतदान केंद्र के पास सपा का एक एजेंट बस्ता लगाए हुए थे तभी वहां कुछ लोग आए और वहां से बस्ता हटाने के लिए कहने लगे। विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए सपा के एजेंट से धक्का मुक्की करना शुरू कर दिया। सपा के एजेंट का बस्ता उठाकर सड़क पर फेंक दिया गया और एजेंट को धकेल कर वहां से हटा दिया गया। इस दौरान वहां लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। एजेंट ने आरोप लगाया कि बस्ता फेंकने और धमकाने वाले लोग भाजपा के थे। मामला सपा के बड़े नेताओं तक पहुंचा तो एक्स पर ट्वीट कर चुनाव आयोग से इस तरह की घटनाओं पर संज्ञान लेकर कार्रवाई की बात कही गई। सुबह से लेकर शाम तक जनपद में अलग-अलग स्थानों से झगड़े की सूचनाएं मिलीं। इसमें सपाइयों की ओर से भाजपा के नेताओं पर वोट डालने से रोकने और मतदान प्रभावित करने के आरोप लगाए गए। औडेंन्य मंडल में शिकायत के बाद सांसद डिंपल यादव ने मौके पर पहुंच कर अपने कार्यकताओं से बात की। वहां मौजूद अधिकारियों से कहा कि किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए। सपा की प्रत्याशी ने शिकायतों पर किशनी, करहल, मैनपुरी देहात सहित अन्य मतदान केंद्रों पर भी जाकर सपाइयों की शिकायतों को सुना और अधिकारियों से बात की।

वाराणसी लोकसभा सीट से पहले दिन दो प्रत्याशियों ने किया नामांकन, एक दर्जन लोगों ने खरीदा नामांकन फार्म

वाराणसी (वार्ता)। वाराणसी लोकसभा सीट से नामांकन के पहले दिन दो प्रत्याशियों ने नामांकन किया. निर्दल प्रत्याशी मंगलवार को कोली शेट्टी शिवकुमार ने अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं अभिषेक प्रजापति ने बहादुर आदमी पार्टी से नामांकन किया। इसके अलावा 12 नामांकन फार्म लोगों ने लिए है। जबकि 55 ट्रेजरी चालान भी लोगो ने प्राप्त किया है। नामांकन के पहले दिन नामांकन पत्र प्राप्त करने वाले विंध्याचल पासवान भारतीय रिपब्लिकन पार्टी, संजय कुमार तिवारी निर्दल, अभिषेक प्रजापति बहादुर आदमी पार्टी, नरसिंह निर्दल, रामकुमार जायसवाल निर्दल, अवचितराव शाम जन सेवा गोंडवाना पार्टी, पारस नाथ केसरी राष्ट्रीय समाजवादी जन क्रांति पार्टी, दयाशंकर कौशिक भारतीय जवान पार्टी, शंकर शर्मा निर्दल, सुनील कुमार इंडियन नेशनल समाज पार्टी, अजय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा रणवीर सिंह संजोग जनादेश पार्टी प्रमुख रहे।

अब बकाया वसूलेगा बिजली विभाग

75 करोड़ से अधिक की वसूली को बनाई टीमें

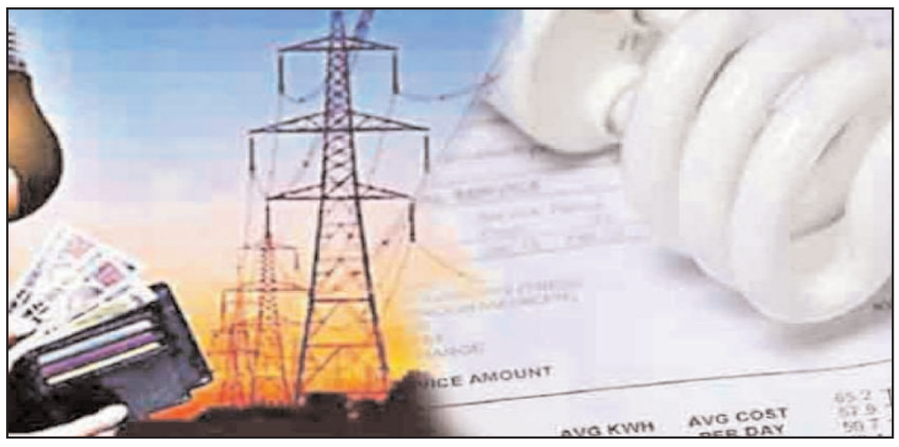

मैनपुरी (वार्ता)। मतदान के बाद बिजली विभाग अब बकाया राजस्व की वसूली करेगा। वसूली अभियान के लिए विभाग ने रणनीति तैयार कर ली है। टीमों के माध्यम से विभाग अभियान चलाकर वसूली करेगा। अभियान में कनेक्शन काटने के साथ ही रिपोर्ट भी दर्ज कराई जाएगी।

बिजली विभाग का उपभोक्ताओं पर 75 करोड़ से अधिक का बिजली बिल बकाया चल रहा है। ओटीएस योजना और मतदान के बाद अब विभाग ने बकाया वसूली के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया है। वसूली अभियान के लिए विभाग ने पांच टीमें बनाई हैं। अधिशासी अभियंता के निर्देशन में टीमें घर-घर जाकर चेकिंग करेंगी। टीम में एसडीओ, जेई के अलावा पांच छह कर्मचारी शामिल होंगे। टीमों की मानीटरिंग अधीक्षण अभियंता स्वयं करेंगे। सुरक्षा के लिहाज से टीमों के साथ पुलिस बल भी तैनात रहेगा। बकाया राजस्व नहीं देने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ ही उनके कनेक्शन भी काटे जाएंगे। बकाया राजस्व नहीं देने वालों के खिलाफ वसूली के लिए आरसी तक काटी जाएंगी।

एक जून से चलेगा अभियान

बिजली विभाग एक जून से वसूली अभियान चलेगा। राजस्व वसूली करने में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारी भी विभाग के निशाने पर होंगे। अधीक्षण अभियंता रोजाना संबंधित अधिशासी अभियंता, एसडीओ से अभियान और प्रगति की समीक्षा करेंगे।

बिजली विभाग का उपभोक्ताओं पर एक अरब रुपया बकाया चल रहा है। विभाग अभियान चलाकर वसूली करेगा। टीमों के काम की रोजाना समीक्षा होगी। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

-रविप्रताप, अधीक्षण अभियंता

इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अजय राय को वामपंथी दलों का समर्थन, बैठक कर कैडर मजबूत बनाने पर बनी रणनीति

वाराणसी (वार्ता)। इंडिया गठबंधन के वाराणसी लोकसभा प्रत्याशी अजय राय को वाराणसी के सभी वामपंथी संगठनों ने अपना पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया है। कांग्रेस के चुनाव कार्यालय में मंगलवार को वामपंथी संगठनों सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई -माले, फारवर्ड ब्लाक एवं केन्द्रीय कर्मचारी यूनियन पदाधिकारियों एवं प्रमुख नेताओं की बैठक में इसकी घोषणा की गई। सभी वामपंथी दलों के नेताओं ने इंडिया गठबंधन के प्रति अपनी खुली एकजुटता प्रदर्शित करते हुते संगठित चुनाव प्रचार अभियान रणनीति और अपनी सहयोगी भूमिका पर विचार विमर्श किया। वामपंथी नेताओं ने कहा कि देश भर के साथ वाराणसी की जनता के बीच भी राजनीतिक माहौल बदला हुआ है, और इंडिया गठबंधन की ओर लोगों की तेजी से रुझान बनी है। इससे न केवल उत्साह एवं आत्मविश्वास हम सबमें जगा है, बल्कि हम अपनी पूरी शक्ति का निवेश वाराणसी में इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस उम्मीदवार की जीत हेतु करने के लिये संकल्पित हैं। कहा कि हम वामदलों ने अतीत में जहां दो बार वाराणसी संसदीय सीट पर जीत दर्ज की है, वहीं जिले की कोलअसला विधानसभा सीट नौ बार जीती। पूरे क्षेत्र में हमारा परंपरागत कैडर है, जो पूरी संगठित शक्ति से इस चुनाव अभियान में इतिहास रचने के संकल्प के साथ काम करेगा।

बैठक में कांग्रेस की ओर से प्रत्याशी अजय राय के अलावा प्रो० सतीश राय और वामपंथी संगठनों की ओर से रमा ऊदल तथा जयशंकर सिंह, नंद किशोर शास्त्री, नन्दलाल पटेल, अजय मुखर्जी, अमरनाथ राजभर, जय शंकर पाण्डेय, पी. के. दत्ता, मोबीन अहमद, राम दुलार, इम्तियाज अहमद आदि ने हिस्सा लिया।

खद्दरा जा रहे पैक्सफेड चेयरमैन पर जानलेवा हमला

किशनी (वार्ता)। जिले में मतदान के दिन भाजपा नेता पैक्सफेड चेयरमैन पर गांव खद्दरा के पास दो बाइकों पर सवार छह लोगों ने हमला कर दिया। इस दौरान गाड़ी में तोड़फोड़ करने के साथ ही चालक को सरिया से पीटा। हमले में पैक्सफेड चेयरमैन, पूर्व जिलाध्यक्ष व अन्य नेता बाल-बाल बच गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा। घायल चालक का मेडिकल कराया गया। हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

जनपद में लोकसभा चुनाव अधिकतर स्थानों पर छिटपुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा था। इस बीच पैक्सफेड चेयरमैन प्रेम सिंह शाक्य, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान और जिला पंचायत सदस्य शुभम जाटव के साथ कुसमरा रामनगर रोड से होते हुए गांव खद्दरा जा रहे थे। नगला दुगई के पास कार को रोक कर सभी लोग लघुशंका करने लगे। तभी वहां दो बाइकों पर सवार छह लोग आए। सभी के मुंह गमछा से बंधे हुए थे और हाथों में बेल्चा और लाठी-डंडे थे। जब तक वह लोग कुछ समझ पाते हमलावरों ने गाड़ी में तोड़फोड़ करना शुरू कर दिया। भाजपा नेताओं पर भी जानलेवा हमला किया लेकिन वह लोग बच गए। इस दौरान गाड़ी का चालक सरिये से हमला में घायल हो गया। अचानक हुए हमले से संभलने के बाद नेताओं ने अधिकारियों को फोन कर घटना के बारे में जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद कुछ देर बाद ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। लेकिन तब तक बाइक सवार हमलावर वहां से भाग गए थे। पुलिस सभी भाजपा नेताओं को लेकर थाने आई। वहां पैक्सफेड चेयरमैन प्रेम सिंह शाक्य की ओर से तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने बाइक सवार छह हमलावरों के खिलाफ जानलेवा हमला, बलवा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के बाद तलाश शुरू कर दी है।

भाजपा सरकार में हर वर्ग को मिल रहा धोखा: अखिलेश यादव

हर वायदे साबित हो रहे खोखले, युवा इनको कर देगा बाहर

कानपुर (वार्ता)। भाजपा सरकार में देश की जनता से वायदों की भरमार की गई और जब जवाबदेही होती है तो कह देते हैं कि वह जुमला था। एक वादा पूरा नहीं होता और दूसरा वादा प्रचारित होने लगता है। इस सरकार में हर वर्ग को अगर कुछ मिला है तो वह है सिर्फ धोखा। इनके सारे वायदे खोखले साबित हो रहे हैं और युवाओं के साथ जिस तरह से खिलवाड़ किया गया है इस लोकसभा चुनाव में युवा इनको बाहर का रास्ता दिखा देगा। यह बातें मंगलवार को कानपुर पहुंचे समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अकबरपुर लोकसभा सीट के अर्न्तगत रमईपुर में पार्टी उम्मीदवार राजाराम पाल के पक्ष में जनसभा के दौरान कही।

अखिलेश ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि प्रचारित किया जा रहा है कि डबल इंजन की सरकार में विकास की गंगा बह रही है, जबकि हकीकत

कोसों दूर है। किसान हो या युवा सभी के साथ केवल धोखा हुआ है। अग्निवीर के नाम पर सरकार ने युवाओं को चार वर्षों का लॉलीपॉप दिया है जो नौजवान पेपर देकर आते है वो परीक्षा लीक हो जाती है। अगर यही सरकार रही तो धीरे-धीरे करके सरकारी नौकरियां ही खत्म हो जाएंगी।

किसान खेतों में फसलों की रखवाली करके परेशान है, वहीं किसान के कर्जमाफी के वायदे भी खोखले निकले। इस बार आपके पास मौका है कि भाजपा के प्रत्याशी को हराकर गठबंधन के प्रत्याशी राजाराम पाल को वोट देकर दिल्ली पहुंचाये। इसके साथ ही अखिलेश यादव द्वारा प्रत्याशी राजाराम पाल के लिए पिछड़ा दलित और कैडर वोट को साधने की कोशिश की गयी है। फिलहाल अखिलेश यादव की जनसभा में भारी संख्या में युवा मौजूद रहे अब देखना ये है की अखिलेश यादव की जनसभा का वोटिंग में क्या प्रभाव पड़ेगा।

अखिलेश यादव की जनसभा में जहां एक तरफ सूरज का पारा 43 डिग्री था वहीं कार्यकताओं में जोश व उत्साह जबरदस्त रहा, जिससे सूरज की लपटें असर नहीं डाल सकी। अखिलेश यादव का हेलीकाप्टर जैसे ही हेलीपैड में उतरा वैसे ही उन्हें देखने के लिए युवा समर्थक पंडाल से बाहर आ गए और अखिलेश भईया जिंदाबाद के नारे लगाने लगे।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी और मीडिया पर लगाए गंभीर आरोप

औरैया (वार्ता)। पंचनद की धरती औरैया पहुंचे समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी समेत जहां बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए, वहीं मीडिया पर भी निशाना साधा। सपा अध्यक्ष ने मोदी-योगी और बीजेपी सरकार को झूठ का पुलिंदा बताया।

शहर के मंडी समिति परिसर में चुनावी जनसभा को संबोधित करने हेलीकॉप्टर से पहुंचे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंच पर पहुंचते ही जनता का अभिवादन किया। मंच पर बैठे पार्टी के सभी नेताओं का भी अभिवादन करते हुए अखिलेश यादव

ने केन्द्र और डबल इंजन की सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यह सरकार युवाओं और किसान की विरोधी है। रोजगार देने के नाम पर युवाओं को ठगा गया है। अग्निवीर जैसी चार साल की नौकरी देने का झांसा दिया। उसके साथ ही साथ महंगाई पर भी बीजेपी सरकार का कोई काबू नहीं है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही सबसे पहले अग्निवीर की व्यवस्था को खत्म करेंगे। इसके साथ ही साथ महंगाई और भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाएगी। अखिलेश ने मीडिया पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि देश की मीडिया बिलकुल उसी तरह काम करती है, जिसका दाना उसी का गाना। जो देगा दाना उसी का गायेंगे गाना। इस दौरान जनता से उन्होंने सपा और पार्टी प्रत्याशी को मतदान करें। सपा सरकार आने पर महंगाई से राहत मिलेगी और नौकरी के साथ किसानों की एमएसपी लागू कराई जाएगी।

08 MAY 2024 M4U:Layout 1 07-May-24 10:26 PM Page 2

सम्पादकीय

संस्कार बिना अमान्य विवाह

देश की शीर्ष अदालत को यदि विवाह जैसे बेहद व्यक्तिगत मामले में परामर्श देना पड़ा है, तो इसका अभिप्राय यही है कि इसके मूल स्वरूप से तेजी से खिलवाड़ हुआ है। कोर्ट को सख्त लहजे में यहां तक कहना पड़ा कि विवाह यदि सप्तपदी यानी फेरे जैसे उचित संस्कार और जरूरी समारोह के बिना होता है तो वह अमान्य ही होगा। निश्चित रूप से अदालत ने यह बताने का प्रयास किया कि इन जरूरी परंपराओं के निर्वहन से ही विवाह की पवित्रता और कानूनी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। दरअसल, हाल के वर्षों में विवाह समारोहों के आयोजन में पैसे के फूहड़ प्रदर्शन व तमाम तरह के आडंबरों को तो प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन परंपरागत हिंदू विवाह के तौर-तरीकों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। आज से कुछ दशक पूर्व हिंदी फिल्मों में हास्य पैदा करने के लिये विवाह से जुड़ी परंपराओं का जिस तरह का मजाक बनाया जाता था, आज कमोबेश वैसी स्थिति समाज में भी बनती जा रही है। वर-वधू द्वारा अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय को शुरू करने के वक्त विवाह के आयोजन में जो शालीनता, गरिमा व पवित्रता होनी चाहिए, उसे खारिज करने की लगातार कोशिशें की जाती रही हैं। यही वजह है कि अदालत को याद दिलाना पड़ा कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के अंतर्गत विवाह की कानूनी जरूरतों तथा पवित्रता को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जिसके लिये पवित्र अग्नि के चारों ओर लगाये जाने वाले सात फेरे जैसे संस्कारों व सामाजिक समारोह से ही विवाह को मान्यता मिल सकती है। निश्चित रूप से आज विवाह संस्कार की गरिमा को प्रतिष्ठा दिये जाने की जरूरत है। यानी विवाह सिर्फ प्रदर्शन नहीं है। विवाह मजबूरी का समझौता भी नहीं हो सकता। निश्चित रूप से भारतीय जीवन पद्धति में विवाह महज महत्वपूर्ण संस्कार ही नहीं है बल्कि नवदंपति के जीवन के नये अध्याय की शुरूआत भी है। जिसे हमारे पूर्वजों ने बेहद गरिमा व सम्मान के साथ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है। आज हम भले ही कितने आधुनिक हो जाएं, विवाह से जुड़ी अपरिहार्य परंपराओं को नजरअंदाज कदापि नहीं कर सकते। निश्चित रूप से विवाह को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिये पंजीकरण आदि के उपाय इस रिश्ते को अपेक्षित गरिमा देने में विफल ही रहे हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीश को कहना पड़ा कि सात फेरों का अर्थ समझे बिना हिंदू विवाह की गरिमा को नहीं समझा जा सकता। यह भी कि हिंदू विवाह सिर्फ नाचने-गाने तथा पाटीर्बाजी की ही चीज नहीं है, यह एक गरिमामय संस्कार है। उसके लिये सामाजिक भागीदारी वाला जरूरी विवाह समारोह भी होना चाहिए। यानी महज पंजीकरण से विवाह की वैधता पर मोहर नहीं लग जाती। निस्संदेह, निष्कर्ष यही है कि पैसा पानी की तरह बहाकर तमाम तरह के आडंबरों को आयोजित करने के बजाय विवाह के मर्म को समझना होगा। इसके बावजूद देशकाल व परिस्थितियों के अनुरूप विवाह पंजीकरण की जरूरत को भी पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। हमें यह भी स्वीकारना होगा कि 21वीं सदी का भारतीय समाज बदलते वक्त के साथ नई चाल में ढला है। नई पीढ़ी की कामकाजी महिलाएं आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं और अपनी शर्तों पर विवाह की परंपराओं को निभाने की बात करती हैं। जिसके चलते विवाह संस्था को लेकर कई अदालतों के फैसले सामने आए हैं, जिनकी तार्किकता को लेकर समाज में बहस चलती रहती है। जिसमें कई कर्मकांडों पर नये सिरे से विचार-विमर्श की जरूरत बतायी जाती रही है। मसलन कुछ कथित प्रगतिशील लोग कन्यादान व सिंदूर लगाने की अनिवार्यता को लेकर किंतु-परंतु करते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद हमें न्यायालय की चिंताओं पर चिंतन तो करना ही चाहिए। यह सवाल रूढ़िवादिता का नहीं है। बल्कि दुनिया के तमाम धर्मों में सदियों से चली आ रही वैवाहिक परंपराओं का आदर के साथ अनुपालन किया जाता है। यह हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित रीति-रिवाजों का सम्मान करने जैसा ही होता है। जो नया जीवन शुरू करने वाले वर-वधू को एक आशीष जैसा ही होता है।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है।

कांग्रेस की दिशाहीनता एवं बढ़ता पलायन

इ स।

लोकसभा के चुनाव उग्र से उग्रतर होते जा रहे हैं, लोकतंत्र के महायज्ञ की 7 मई को आधी से ज्यादा आहुति पूरी होने वाली है, पहले चरण में 102 और दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में 94 सीटों पर मतदान होने वाला है। इसके बाद 543 में से आधे से अधिक यानी 284 सीटों पर मतदान पूर्ण हो जाएगा। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भाजपा की ओर रुख करते नेताओं ने कांग्रेस की नींद उड़ा कर रख दी है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आक्रामक, तीक्ष्ण एवं तीखे आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी में लगातार हो रही टूट एवं पार्टी छोड़ने के कांग्रेसी नेताओं के सिलसिले को रोक नहीं पा रही है। इस बड़े संकट से बाहर निकलने का रास्ता कांग्रेस को नहीं सूझ रहा है। कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान सबसे बड़ा झटका इंदौर में लगा, जहां से पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन मैदान ही छोड़ दिया और वो भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले विपक्षी दलों का गठबंधन ह्यइंडियाह्न को खजुराहो में झटका लगा था, जहां आपसी समझौते के चलते यह सीट समाजवादी पार्टी को दी गई थी। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपक यादव का पर्चा निरस्त हो गया। इस तरह राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से दो-खजुराहो और इंदौर ऐसी है जहां से कांग्रेस मुकाबले में ही नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा एवं दिल्ली के कांग्रेसी नेता अरविन्द सिंह लवली ने ह्यनाइंसाफीह्न के कारण पार्टी से इस्तीफा दिया है। लवली तो अपने अन्य साथियों के साथ भाजपा में शामिल हो गये हैं। पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचारिता महंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दिया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र में ओडिशा विधानसभा चुनावों के लिए कमजोर उम्मीदवार उतारे गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में राजनीतिक अपरिपक्वता, दिशाहीनता एवं निर्णय-क्षमता का अभाव है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस कई राज्यों में बेमन से चुनाव लड़ रही है।

आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि उसकी राजनीति में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। उसका व्यवहार दोगला हो गया है। दोहरे मापदण्ड अपनाने से उसकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने या फिर चुनाव लड़ने से इन्कार करने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यह निर्णय क्षमता का अभाव ही है या हार का डर कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने में बड़ी कोताही बनती है। अब राहुल ने अमेठी में स्मृति ईरानी का सामना करने में स्वयं को अक्षम पाया तो रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से दूर ठिठक गईं। राहुल गांधी का अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस की दिशाहीनता का सूचक है। यह हास्यास्पद है कि गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार कांग्रेस नेता राहुल के अमेठी से चुनाव न लड़ने के फैसले को यह कहकर बड़ी राजनीति जीत बता रहे हैं कि पार्टी ने स्मृति इरानी का महत्व कम कर दिया। क्या सच यह नहीं कि कांग्रेस ने अमेठी से स्मृति इरानी की जीत सुनिश्चित करने का काम किया है?

राहुल गांधी का दो-दो सीटों से का चुनाव लड़ना भी यह दर्शाता है कि दोनों में से एक सीट पर तो वे जीत हासिल कर ही लेंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का सेक्शन 33 प्रत्याशियों को अधिकतम दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति भी देता है। देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं। ऐसे में नेताओं के एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। विमर्श इस बात पर हो रहा है कि जब एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है तो प्रत्याशी को दो सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति क्यों होनी चाहिए? नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए एक साथ दो सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और दोनों सीटों पर चुनाव जीतने की स्थिति में अपनी सुविधानुसार एक सीट से इस्तीफा दे देते हैं। कानूनी रूप से उनके लिए ऐसा करना जरूरी भी है। फिर उस सीट पर उपचुनाव होता है। इसमें न सिर्फ करदाताओं का पैसा खर्च होता है बल्कि उस क्षेत्र के मतदाता भी ठगा हुआ महसूस करते हैं। इस बात की पड़ताल जरूरी है कि दो सीटों से चुनाव लड़कर राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं या इस व्यवस्था से सिर्फ अपने राजनीतिक हित साध रहे हैं? भले ही राहुल गांधी चुनाव प्रचार के दौरान बेहद आक्रामक दिख रहे हों, लेकिन वह अपने नेताओं और कार्यकताओं में जोश नहीं भर पा रहे हैं। इसका एक कारण गठबंधन के नाम पर अपने पुराने मजबूत गढ़ों में भी अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ना है। यह कांग्रेस ही लगातार कमजोर होती राजनीति ही है कि वह जीत की संभावना वाली सीटों को भी महागठबंधन के अन्य दलों को दे रही है। ऐसे ही निर्णयों के चलते कांग्रेसजनों के लिए भी यह समझना कठिन है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी से समझौता करने से पार्टी को क्या हासिल होने वाला है? इस बार गांधी परिवार दिल्ली में उस आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को बोट देगा, जिसने उसे रसातल में पहुंचाया। तरह के मामले केवल यही नहीं बताते कि कांग्रेस उपयुक्त प्रत्याशियों का चयन करने में नाकाम है, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उसके पास अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने और अपने कार्यकताओं में उत्साह का संचार करने की कोई ठोस रणनीति नहीं है।

कांग्रेस की नीति एवं नियत भी संदेह के घेरों में हैं। क्या कारण है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के नेता अब दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का ह्यशहजादाह्न भारत का प्रधानमंत्री बने। दुश्मन राष्ट्र के नेता अगर किसी व्यक्ति या नेता के प्रधानमंत्री बनने की कामना करते हैं तो निश्चित ही उस देश का हित जुड़ा होता है। पड़ोसी देश भले ही राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता हो लेकिन भारत की जनता अपने हितों की रक्षा करते हुए विवेकपूर्ण मतदान के लिये तत्पर है। भारत मजबूत प्रधानमंत्री वाला मजबूत देश चाहता है। नए भारत के ह्यसर्जिकल और एयर स्ट्राइकह्न ने उस पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था जिसे कांग्रेस शासन के दौरान भारत पर आतंकी हमलों का समर्थन करने के लिए जाना जाता था। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति की है, उसी का परिणाम है कि जिसने 500 वर्षों तक पीढ़ियों के संघर्ष के बाद बने प्रभु श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह एवं मन्दिर से कांग्रेस दूरी बनाये रखी है। जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के निर्णय का भी विरोध किया है, जबकि अब वहां आतंकवाद खत्म होकर शांति, अमन एवं विकास की गंगा प्रवहमान है। जनता ही नहीं, कांग्रेस के नेता भी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की इन विसंगतियों एवं विडम्बनाओं को समझ रहे हैं और पार्टी से पलायन कर रहे हैं। मुगलों व अंग्रेजों की भाषा बोल रहे व हिंदू जनमानस व हिंदू संस्कृति के विरुद्ध जहर उगल रहे राहुल गांधी को पिछले दो लोकसभा चुनाव की तरह आगामी लोकसभा चुनाव में जनता क्या जबाव देती, यह भविष्य के गर्भ में हैं।

सारे धान पंसेरी के भाव मत तौलिये !

3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस था। पर कुछ गुणी और सुधी मित्रों की ऐसी टिप्पणियाँ दिखीं, जिनमें इन दिनों की पत्रकारिता का मखौल उड़ाते-उड़ाते पत्रकारों का भी उपहास जैसा किया गया लगा। यह एक तो जर्मन कहावत "दास काइंड मिट डेम बडे ऑस्चुटेन" (बच्चे को नहलाकर बाहर निकालें, नहाने के पानी के साथ उसे भी न फेंक दें) जैसा है, दूसरे यह देश और समाज के लोकतंत्र को जिंदा रखने में असाधारण जोखिम उठाकर किये जा रहे पत्रकारों के योगदान की अनदेखी करना है। इस बारे में पांच आग्रह हैं !!

एक

इस देश के पत्रकार कभी नहीं बिके । जब से प्रेस नाम की संस्था और मीडिया शब्द अस्तित्व में आया है, तब से पत्रकारों ने अपना काम किया है ; निडर, बेबाक और पूरी दमदारी के साथ। ब्रिटिश राज में कंपनी, वायसरायों और उनके मैस्सी साहबों की लूट और निर्ममता को पत्रकारों ने ही बेनकाब किया था, जिसके नतीजे में पूरी दुनिया और खुद इंग्लैंड की जनता में इस बर्बरता के विरुद्ध भावनाएं भड़कीं और बर्तानिया हुकूमत को तरीके बदलने के लिए विवश कर दिया। ये अनेक थे, ऐसे ही एक पत्रकार का नाम था कार्ल मार्क्स, जिन्होंने 1852 से 1861 के बीच लन्दन की लाइब्रेरी में बैठकर और ब्रिटिश संसद में रखी गयी रिपोर्ट्स के आधार पर अमरीका के अखबार 'द न्यूयॉर्क डेली ट्रिब्यून' के लिए डिस्पैच लिखे । उन्होंने दुनिया के अखबारों के लिए 1857 की लड़ाई को भी कवर किया और उसे भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम करार दिया । तब का उनका लिखा भारत में उपनिवेशवाद की लूट का आज भी प्रामाणिक दस्तावेज माना जाता हैं। यह हिंदी में किताब के रूप में भी मौजूद है।

आजादी की लड़ाई के कवरेज और उसके लिए प्रेरणा देने का काम भारत के भीतर भी अनगिनत पत्रकारों ने किया। उनके अखबार जब्त हुए, जुमार्ना चुकाने में घर और जायदाद बिक गयी, जेलें काटनी पड़ीं । इनके नाम इतने ज्यादा हैं कि उन्हें गिनाने के लिए जगह कम पड़ जायेगी। युवा भगत सिंह पत्रकार थे, खुद गांधी पत्रकार थे, अम्बेडकर ने अखबार निकाले, नेहरू ने नेशनल हैराल्ड अखबार शुरू किया। नाम और भी हैं, अभी सिर्फ एक बाल गंगाधर तिलक का उदाहरण ही ले लें, जिन्हें 1891 में अपने अखबार केसरी में भारत की दुर्दशा लेख लिखने पर 6 साल की सजा हुयी थी। इस सजा के खिलाफ बंबई के 6 लाख मजदूरों ने 6 दिन की प्रतीकात्मक हड़ताल कर ऐसा विरोध जताया था कि दुनिया चकित हो गयी थी। दूर बैठे लेनिन ने भी प्रेस की स्वतन्त्रता की हिमायत में औद्योगिक मजदूरों की इस राजनीतिक हड़ताल के महत्त्व को दर्ज करते हुए उसका अभिनंदन किया था।

आजादी के बाद भारत के पत्रकारों की निर्भीकता और उनकी खोजी पत्रकारिता की मिसाल 75-77 की इमरजेंसी में देखी गयीं । उसके बाद के दौर में, आज भी उनकी क्षमता कायम है। किसान आन्दोलन को उसके लायक जरूरी कवरेज देने के चलते न्यूजक्लिक पर ताला डला हुआ है और प्रबीर पुरकायस्थ जेल में हैं, बर्बरों को बर्बर, फासिस्टों को फासिस्ट कहने वाली गौरी लंकेश मारी जा चुकी हैं। राजा का बाजा बजाने से इंकार करने वाले सैकड़ों रवीश, परान्जोय गुहा ठाकुरता, अभिसार, अजीत अंजुम और पुण्य प्रसून वाजपेई नौकरियों से निकलवा दिए गए हैं।

खड़े-खड़े नौकरी से निकलवाना क्या होता है, ये अमेठी के दो पत्रकार, इन दिनों स्वयं को राजमहिषी मान बैठी सत्ता पार्टी की नेत्री से सवाल पूछने की हिमाकत करके देख चुके हैं। अखबार के मालिक इत्ते डरे कि अपने इन दोनों पत्रकारों का अस्तित्व तक मानने से इंकार कर दिया।

यह दशा सिर्फ वामपंथी या जिन्हें संघी कुनबा प्यार से सिकुलर कहता है, उस विचार को मानने वाले पत्रकारों भर की नहीं है, उनकी ज्यादा है। मगर दक्षिणपंथ में विश्वास करने वाले "पत्रकार" भी इस विपदा से बचे नहीं है। उनमें से कुछ के नाम लिए जा सकते हैं, मगर इससे उनका बचा खुचा "भविष्य" भी खराब होने की आशंका है, इसलिए फिलहाल छोड़िए।

मतलब यह कि पत्रकारों को कोसने से या उनका मजाक बनाने की बजाय पत्रकार मानने की कसौटी को जाँचा जाना चाहिए। यह सारे धान पंसेरी के भाव तौलने का मसला नहीं है, यह जिन्हें धान मानकर तौला जा रहा है, वह धान है भी कि नहीं यह पहचानने का मामला है । चंद नामजद बंदे-बंदियां खुद को पत्रकार कहते हैं और उन जैसा काम करते दिखते हैं, इसलिए वे पत्रकार नहीं हो जाते। वे चारण और भाट और चीखाओं की किस्म हैं और यह प्रजाति हमेशा रही है। यह समय उलटा-पुलटा समय है, इसलिए इन दिनों इनका बसंत आया हुआ लगता है। मगर चांदी के कितने भी बर्क लगा लेने से कीच चंदन नहीं हो जाता। लिहाजा इन्हें पत्रकार मानकर समूची पत्रकार बिरादरी को धिक्कारा जाना शुरूआत ही गलती से करना होगा।

दो

आज भी पत्रकार हैं और अपनी जान दांव पर लगाकर, कई तो जान गंवाकर भी पत्रकारिता को बचाए हुए हैं !! नवउदारीकरण के हावी होने के बाद से ही प्रेस की भूमिका में बदलाव आया है। उसमें असहमति, विरोध और तार्किक तथ्यपरक विश्लेषण घटे हैं।

सत्य की हाजिरी भी घटी है। मोदी काल के दस वर्ष झ बाकी सबके साथ प्रेस और मीडिया के लिए बेहद घुटन जो हुआ है, उसके अनुपात में घुटन एक छोटा शब्द है वाले रहे हैं। दबाव, धमकी, गिरफ्तारी और संस्थान की तालाबंदी से लेकर बात इस सबके बावजूद समर्पण न करने वाले पत्रकारों की हत्याओं तक जा पहुंची है। प्रबीर और गौरी लंकेश का जिक्र पहले किया जा चुका है -- मगर वे अकेले नहीं हैं। अनेक हैं उनके जैसे, जिनकी चर्चा कम ही हुई है।

इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स, ह्यकमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स, ह्यरिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्सह्न सहित अन्य प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा दुनिया भर के देशों में प्रेस की दशा का आंकलन कर विश्व स्वतंत्रता सूचकांक तैयार किया जाता है। इनकी रिपोर्ट के अनुसार भारत में पत्रकारों की हत्या और उन पर दमन तालिबानी राज में अफगानिस्तान में पत्रकारों पर हुए दमन से भी ज्यादा है। यही वजह है कि प्रेस स्वतन्त्रता सूचकांक में भारत 2023 में 180 देशों में 161वें नम्बर पर था । यह अत्यंत खतरनाक स्थिति है, इसलिए और अधिक खतरनाक कि पिछली वर्ष की रैंक 150 से यह एक ही वर्ष में 11 की छलांग लगाकर और नीचे गयी है । जो नीचे गया, वह पत्रकार नहीं है कारपोरेट नियंत्रित मीडिया है ।

तीन

पत्रकार और प्रेस/मीडिया के मालिक दो अलग-अलग, एकदम अलग-अलग, गुणात्मक रूप से भिन्न चीजें हैं। उन्हें गड्डमड्ड करने पर गलत नतीजे पर पहुंचेंगे ही। बीन मालिक की है, स्वरलिपि वही लिखता है। जाहिर है कि बेसुरेपन का दोषी भी वही होगा। पत्रकार या मीडिया पर्सन, भले कितना बड़ा और नामी क्यों नही हो, कवरेज और उसकी प्रस्तुति का निर्णय नहीं करता। यह फैसला वे करते हैं, जो पत्रकारिता का प तक नहीं जानते, अलबत्ता मुनाफे की भाषा, वर्तनी, व्याकरण और सबसे बढ़कर गणित खूब अच्छी तरह जानते हैं। ऐसा आज से नहीं है, आज कुछ ज्यादा है, मगर ऐसा हमेशा से है। 1886 के शिकागो और अमरीका के कुछ खास अखबारों में मई दिवस के शहीदों की ट्रायल का कवरेज देख लीजिये। एक अखबार है, जिसके सेठ ने आज से नहीं, जब से उसने पड़ोसी राज्य से अखबार का धंधा शुरू किया है, तबसे अपने पत्रकारों को स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन दिया हुआ है कि उनके अखबार में लेफ्ट-वेफ्ट, मजदूर-वजदूर, कामरेड-वामरेड और लाल झंडा दिखना नहीं चाइये !! अब यह "नहीं चाइये" थोड़ा और आगे बढ़ गया है।

लुब्बोलुबाब ये है कि पत्रकार की जो थोड़ी बहुत दिखावटी आजादी थी, वह भी खत्म हो चुकी है। अब जो भी है, वह धनकुबेर है - मीडिया उसका धंधा है, अखबार और चैनल धंधा चमकाने, अपने धंधे के अपराध छुपाने और राजनेताओं से साझेदारी कर और अधिक माल कमाने का औजार है। इस वर्ष की शुरूआत में अंबानी का रिलायंस समूह 72 टीवी चैनल्स का मालिक था, इस वर्ष में यह संख्या 100 होने वाली है। एनडीटीवी के अधिग्रहण के बाद अडानी समूह भी इस धंधे में कूद चुका है। जो इनके स्वामित्व में नहीं हैं, उनमें भी इनका पैसा लगा हुआ है और ये उसके सम्पादकीय रुझान, कवरेज और कंटेंट को निर्धारित करते हैं। नतीजा यह है कि सच गायब हो गया है, सच की पत्रकारिता करने वाले पत्रकारों का जीना मुहाल हो गया है।

चार

इसकी शुरूआत हुयी सम्पादक नाम की संस्था - जो कभी सर्वोपरि हुआ करती थी के खात्मे के साथ। सम्पादक मतलब खबर के लिए लड़ जाने, संवाददाता और पत्रकार के लिए अड़ जाने वाला कप्तान !! सच्ची घटना है कि एक मुख्यमंत्री ने एक अंग्रेजी अखबार के सम्पादक से कहा था कि वह अपना ब्यूरो चीफ बदल दे। उस सम्पादक ने उस ब्यूरो चीफ की तनखा बढ़ाकर उसे पांच साल और उसी जगह रहने का पत्र जारी कर दिया। अब इस तरह के सम्पादक नहीं रखे जाते। जो रखे जाते हैं, वे इस तरह के नहीं हों, यह पक्का करने के बाद ही रखे जाते हैं। यह प्रजाति ही लुप्त हो गयी है।

जो सुधी जन नोस्टाल्जिया में जी रहे हैं और राहुल बारपुते, राजेन्द्र माथुर, वर्गीज, कुलदीप नैय्यर, एन राम यहाँ तक कि अरुण शौरी की याद में दुबले हुए जा रहे हैं, वे भूल रहे हैं कि इन जैसा होने के लिए बाबू लाभचन्द छजलानी, गोयनका और द हिन्दू समूह जैसे मालिक और नेहरूवियन काल जैसा वातावरण चाहिए होता है। कल्पना कीजिये कि आज यदि राहुल बारपुते या राजेन्द्र माथुर, यहाँ तक कि प्रभाष जोशी भी होते, तो क्या इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार को कैलाश विजयवर्गीय द्वारा ह्यअत्यंत प्यार से बिठाए जानेह्न के मुद्दे पर वह लिख पाते, जिससे इंदौर हिल और दहल उठता? नहीं !! उन्हें भी यही लिखना पड़ता कि ह्यबम भाई ने जो बम बम बोली है वह कांग्रेस के अन्दर परेशानी और घुटन की वजह से बोली है -- वो तो उसे निर्वाचन कार्यालय का पता नहीं पता था, इसलिए कैलाश भिया तो उसे ठीये तक पहुंचाने के लिए गए थे। 'कैलाश भिया और मेंदोला भिया' के जागरूक नागरिकत्व और जरूरतमन्द को राह दिखाने के सत्कृत्य पर दो चार सम्पादकीय भी ठेल दिए जाते। गरज ये कि आज उन आदर्श कहे जाने वालों में से कोई भी सम्पादक होता, तो वह भी कोई कद्दू नहीं उखाड़ पाता, या तो दरबार में बैठकर घुइयाँ छील रहा होता या फिर बिना पेंशन या गुजारे भत्ते के अपने घर बैठा होता।

पांच

इस सबके होते हुए भी पत्रकारों का लोहा अभी जंग नहीं खाया, उनकी रीढ़ अभी तनी हुई है। अनेक स्त्री-पुरुष, युवक-युवतियां ऐसी हैं, जिनमे बारपुते, माथुर, नैय्यर, वर्गीज और राम बनने की काबिलियत है ; बल्कि सूचना के विस्फोट के इस काल में उनसे भी ज्यादा बेहतर बनने की क्षमता भी है, संभावना भी है। वे यह काम कर भी रहे हैं। अपने-अपने संस्थानों की सीमा से बाहर जाकर अभिव्यक्ति के नए माध्यम ढूंढ तलाश रहे हैं। सोशल मीडिया के अनगिनत प्लेटफॉर्म्स पर, यूट्यूब के सैकड़ों चैनल्स पर वे डटे हुए, वेब मैगजीन्स और साइट्स चला रहे हैं। जोखिम उठाकर भी सच सामने ला रहे हैं। कथित मुख्यधारा के मीडिया आउटलेट्स द्वारा ब्लैकआउट और सेंसर कर देने के बाद भी सारा सच यदि लोगों तक पहुँच रहा है, तो इन्ही फुट सोल्जर्स के कंधों पर सवार होकर पहुँच रहा है। ठीक है, उनके पास चकाचौंध नहीं है, सच तक पहुँचने का जज्बा और उसे दर्ज करने का साहस तो है।

जुगनुओं का साथ लेकर राह रोशन कीजिये ! रास्ता सूरज का देखा तो सुबह हो जायेगी !!

हालांकि पत्रकार जुगनू नहीं है। स्वतंत्रता मिले, तो उनमें सूरजों का भी सूरज बनने की काबिलियत है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर इन्हें सराहिये, इनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कीजिये। देश में जो लोकतंत्र बचा है, उसमें एक बड़ा योगदान इन पत्रकारों का भी है, जिन्हें न कभी निश्चित जीवन जीने लायक वेतन मिला, न काम करने के लिए निरापद वातावरण मिला। मगर तब भी उन्होंने अपनी कलम गिरवी नहीं रखी।

(आलेख : बादल सरोज)

(लेखक संपादक और अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव हैं।)

08 MAY 2024 M4U:Layout 1 07-May-24 10:26 PM Page 3

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ़्तार किया

मीडिया फॉर यू ब्यूरो, नकुड़ (सहारनपुर)। काजी शाहिद अहमद

थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पकड़कर न्यायालय में पेश किया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र गौतम ने पत्रकारों को बताया की विगत मार्च माह में एक व्यक्ति क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया था। जिसकी लिखित शिकायत उसके पिता ने पुलिस से की थी। जिस पर पुलिस द्वारा कारवाई करते हुए मंगलवार को सुबह सवा छः बजे अरूण पुत्र महिपाल निवासी मनोहरपुर थाना सदर बाजार को अंबाला सरसावा हाइवे से गिरफ्तार कर लिया गया है। कोतवाल ने बताया की आरोपी पर पोक्सो एक्ट व दुष्कर्म आदि की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

लखनऊ पूर्व में सुरक्षा, स्वच्छता की मांग कर रहे लोग

लखनऊ (वार्ता)। लखनऊ पूर्व विधानसभा के उपचुनाव में स्थानीय लोगों की मुख्य मांग क्षेत्र की सुरक्षा, स्वच्छता और साफ पानी है। मतदान करने से पहले स्थानीय लोग अपने बीच पहुंच रहे भाजपा प्रत्याशी ओमप्रकाश श्रीवास्तव, कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश चौहान से मुख्य मुद्दों पर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी ओमप्रकाश ने विवेकानन्दपुरी वार्ड में पहुंचकर वहां उपस्थित भाजपा कार्यकताओं से संवाद किया। इस दौरान लोगों ने अपनी जरुरतों पर भाजपा प्रत्याशी का ध्यान दिलाया, जिस पर ओमप्रकाश ने जनता की मांगों को पूरा कराने का वायदा किया। पार्षद प्रतिनिधि सुनील शंखधर, मंडल उपाध्यक्ष अर्चना सक्सेना ने भाजपा प्रत्याशी को माला पहनाकर स्वागत किया। मैथिली गुप्त वार्ड में मंगलवार को सुबह के वक्त पार्क पहुंचे भाजपा प्रत्याशी से लोगों ने अपनी बातों को रखा। स्वच्छ जल, स्वच्छ वातावरण के लिए लोगों ने ओमप्रकाश श्रीवास्तव से अपनी मांग रखी। जिस पर भाजपा प्रत्याशी ने जनभावाना को समर्थन करते हुए हर सम्भव प्रयास कर जनता की सेवा करने का वायदा किया। कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश चौहान ने इंदिरा नगर क्षेत्र में कार्यकताओं के साथ जनसम्पर्क किया, तो वहां भी लोगों ने स्वच्छता का प्रश्न उठाया। लोगों ने कूड़ा प्रबंधन, नाली सफाई जैसे मुद्दों पर मुकेश चौहान का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। गोमती नगर में कांग्रेस प्रत्याशी से विद्युत खम्भों पर लगी लाइटों के नहीं जलने की शिकायत की। जिस पर मुकेश ने शीघ्र ही समाधान कराने की बता कही। लखनऊ पूर्व विधानसभा में प्रचार में जुटे कांग्रेस के नेताओं, कार्यकताओं को भी जन समस्याओं के बारे में सुनना पड़ रहा है।

प्रत्याशी का नामांकन खारिज करने का प्रयास किये जाने की कूटरचित भ्रामक सूचना पर न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट/ रिटर्निंग ऑफिसर अरविन्द सिंह की बड़ी कार्यवाही

>> नामांकन पत्रों की संवीक्षा के दौरान सोशल मीडिया पर भ्रामक खबर चलाने का षड्यंत्र करने वाले प्रत्याशी एवं यूट्यूबर के विरुद्ध मा. रिटर्निंग ऑफिसर / जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय ने जारी किया समन, आरोपियों ने डीएम के समक्ष कोर्ट में बिना शर्त मांगी माफ

>> भ्रामक सूचना प्रसारित करने पर प्रत्याशी तथा यूट्यूबर को मा0 रिटर्निंग ऑफिसर ने अपने न्यायालय की गरिमा एवं निर्वाचन कार्य में बाधा का मामला मानते हुए कन्टेम्प्ट ऑफ कोर्ट (सीआरपीसी की धारा-345) के तहत न्यायालय से किया दण्डित

>> मा0 रिटर्निंग ऑफिसर ने अपने न्यायालय से सांसद पर सीआरपीसी की धारा-345 के तहत लगाया अर्थदण्ड तथा यूट्यूबर को कप्टेम्प्ट का दोषी पाये जाने पर एक घन्टे के लिए किया निरूद्ध

>> मा0 रिटर्निंग ऑफिसर ने वर्तमान सांसद/प्रत्याशी पर लगाया अर्थदण्ड, यूट्यूबर को एक घन्टे के लिए किया गया निरूद्ध

>> बिना शर्त शपथपत्र पर माफीनामा और गलती का स्वतः आभास होने पर तथा आगे कभी मा0 जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय की अवमानना नहीं करने के शपथ पर कन्टेम्प्ट ऑफ न्यायिक प्रक्रिया से अवमुक्त

>> मा0 रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा यूट्यूबर के पूर्व में किये गये सोशल वेलफेयर के कार्यों पर विशाल हृदय दिखाते हुए मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराये जाने तथा एक घन्टे का न्यायालय में डिटेन्शन का दण्ड अधिरोपित कर अग्रेतर न्यायिक कार्यवाही से किया अवमुक्त

मीडिया फॉर यू

देवीपाटन मंडल प्रभारी हाजी निसार उस्मानी

बलरामपुर: मा0 रिटर्निंग ऑफिसर 58-लोकसभा क्षेत्र श्रावस्ती/मा0 न्यायालय मजिस्ट्रेट जिला मजिस्ट्रेट अरविन्द सिंह ने नामांकन पत्रों की संवीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किये गये भ्रामक मैसेज का संज्ञान लेते हुए वर्तमान सांसद/प्रत्याशी पर कन्टेम्प्ट का अभियोग सीआरपीसी-345 के तहत प्रचलित करते हुए आर्थिक दण्ड लगाते हुए सोशल मीडिया में मैसेज प्रसारित करने वाले एक यूट्यूबर को कप्टेम्प्ट के न्यायिक अभियोग के तहत अपने न्यायालय से एक घन्टे के लिए डिटेन्शन में रखने का आदेश पारित किया। बताते चलें कि वर्तमान सांसद/प्रत्याशी के भाई व समर्थक द्वारा एक यूट्यूबर को नामांकन खारिज करने की भ्रामक खबर प्रसारित की तथा ज्यादा से ज्यादा लोगों को कलेक्ट्रेट पहुंचने का आहवान किया गया। अफवाह भरे भ्रामक मैसेज की जानकारी मिलते ही मा0 न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट/मा0 न्यायालय रिटर्निंग आफिसर जो कि संवीक्षा में अर्ध न्यायिक दायित्व का निर्वहन करते हैं। मा0 रिटर्निंग ऑफिसर ने वर्तमान सांसद/प्रत्याशी और मैसेज प्रसारित करने वाले यूट्यूबर को अपने न्यायालय से समन जारी करते हुए तत्काल उपस्थित होने का आदेश दिया।

गौरतलब है कि नाम निर्देशन की संवीक्षा अर्द्धन्यायिक प्रक्रिया है, जिसमें मा0 रिटर्निंग ऑफिसर/जिला मजिस्ट्रेट महोदय आईपीसी की धारा-19 के तहत न्यायाधीश की भूमिका में होते हैं। भ्रामक मैसेज प्रसारित करके उक्त प्रत्याशी द्वारा मा0 रिटर्निंग ऑफिसर/मा0 जिला मजिस्ट्रेट के न्यायालय की अवमानना का कुकृत्य किया गया। जिस पर मा0 रिटर्निंग ऑफिसर/जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट के तहत सीआरपीसी की धारा-345 के तहत न्याय करते हुए सांसद/प्रत्याशी पर अर्थदण्ड लगाया गया जिसे उनके द्वारा कोषागार में जमा करके मा0 रिटर्निंग ऑफिसर/जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय के समक्ष शपथ पत्र पर मांगी गई और अपने भाई और समर्थकों द्वारा भ्रामक सूचना प्रसारित किया जाना स्वीकार किया गया तथा भविष्य में पुनः ऐसा नहीं करने की बिना शर्त हलफनामे पर माफी मांगते हुए अभिरक्षा में भेजने के बजाय न्यूनतम दण्ड देने की मनुहार की गई। उक्त प्रत्याशी की मनुहार पर मा0 रिटर्निंग ऑफिसर श्री सिंह ने सीआरपीसी की धारा-345 एवं लोकसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत लागू सीआरपीसी की धारा-144 के उल्लंघन पर वर्तमान प्रत्याशी पर मात्र अर्थदंड लगाया तथा माफीनामे के कारण अग्रेतर न्यायिक कार्यवाही से अवमुक्त कर दिया।

वहीं मा0 रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा यूट्यूबर के पूर्व में किये गये सोशल वेलफेयर के कार्यों पर विशाल हृदय दिखाते हुए मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराये जाने तथा एक घन्टे का न्यायालय में डिटेन्शन का दण्ड अधिरोपित कर अग्रेतर न्यायिक कार्यवाही से अवमुक्त कर दिया। बताते चलें कि मामले में मा0 न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर भ्रामक मैसेज प्रसारित करने वाले यूट्यूबर को भी कन्टेम्प्ट की धारा-345 के तहत एक घन्टे के लिए न्यायालय में ही निरूद्ध किये जाने का आदेश न्यायालय ने सुनाया तथा यूट्यूबर द्वारा न्यायालय के समक्ष बिना शर्त हलफनामे पर मांफीनामा दाखिल किया गया कि भविष्य में उसके द्वारा इस प्रकार का कृत्य कारित नहीं किया जाएगा। मा0 रिटर्निंग ऑफिसर/जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय ने पूरे मामले की गहन जांच के लिए पुलिस को भी निर्देशित किया है कि प्रसारित मैसेज की तह तक जांच कर लें और इसके सम्बन्ध में विस्तृत रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें ताकि उक्त अभियुक्तों के विरूद्ध मा0 न्यायालय द्वारा कन्टेम्प्ट ऑफ कोर्ट का अभियोग चलाया जा सके।

जनता का मिल रहा भरपूर समर्थन : सूर्य प्रताप शाही

देवरिया (वार्ता)। इस बार के लोक सभा चुनाव में पार्टी को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। जिसका कारण है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कुशल नेतृत्व और पूरे होते वादे। उक्त बातें उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने पथरदेवा विधानसभा के मुजुरी में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए आज कही। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों के कार्यकाल में पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है, हमारा देश बहुत तेजी के साथ आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अराजकता और गुंडागर्दी पर लगाम लगाया गया है। सदियों की प्रतीक्षा के बाद करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र भगवान राम अयोध्या के भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। जनता में अति उत्साह है। सभा को सम्बोधित करते हुए देवरिया लोकसभा से भाजपा के प्रत्याशी शशांक मणि ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी, अपने निष्ठावान कार्यकताओं के वजह से और सबके प्रयास से सबका विकास की नीति के वजह से है। उन्होंने कहा कि सघन जनसंपर्क और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मिल कर किस प्रकार अधिक से अधिक मतदान कराया जाए। इस बात की चिंता हमारे सम्मानित कार्यकर्ता और पदाधिकारी कर रहे हैं। पार्टी के हर कार्यकर्ता गांव -गांव और घर -घर जाकर लाभार्थियों से संवाद करें। लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान के प्रति जागरूकता लाकर प्रत्येक मतदाता की उपस्थिति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पिछले दो चरणों के चुनावों में पूर्व की अपेक्षा मत प्रतिशत में कमी आई है। इस नाते हम लोगों का यह दायित्व है कि राष्ट्र हित में हर मतदाता को उसके वोट की कीमत बताएं। उन्होंने कहा कि आप सबके प्रयास से एक नए देवरिया का निर्माण संभव हो सकेगा। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता जितेंद्र प्रताप राव, ब्लाक प्रमुख रामशीष गुप्ता, मंडल अध्यक्ष जीवन पति त्रिपाठी, अवधेश सिंह, अंबुज शाही उपस्थित रहे।

राया : सब्जी मंडी में शार्ट सर्किट से लगी आग, 40 दुकानें जलकर राख

मथुरा (वार्ता)। थाना राया क्षेत्र अंतर्गत बीते मध्य रात्रि में रेलवे लाइन के किनारे लगने वाली सब्जी मंडी में शार्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते मंडी की करीब 40 दुकानें धू-धू कर जलने लगीं। लोगों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन वो नाकाफी रहा। कुछ ही देर में सभी दुकानें जलकर खाक हो गई। सूचना पर आधा दर्जन से अधिक दमकल पहुंची और किसी तरह आग पर काबू पाया।

मंगलवार की तड़के करीब दो बजे राया स्टेशन की रेलवे लाइन एवं सड़क के बीच स्थापित सब्जी मंडी में शार्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। अग्निकांड स्थल तक अंदर जगह न होने के कारण यातायात ठप्प हो गया। सूचना पर पहुंची फायर विग्रेड की गाड़ियां हाथरस-मथुरा मार्ग पर खड़ी होकर रेलवे लाइन के ऊपर से पानी के पाइप से आग बुझाई। रेलवे लाइन के सहारे काठ के खोको में आग लगने की वजह से रेल संचालन दो घण्टे बन्द रहा। कासगंज की तरफ से आने बाली गाड़ियों को कोयल फाटक तो मथुरा की तरफ से आने बाली गाड़ियों को रेलवे स्टेशन पर रोक दी गई। इस दौरान यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। सूचना पर मांट महावन तहसील के एसडीएम, सीओ, राया थाना प्रभारी अशोक कुमार फोर्स के साथ पहुंच गए। सब्जी मंडी में स्थापित दुकान स्वामियों में पवन अग्रवाल, रामू भट्ट, कालीचरन अग्रवाल, भूरा शर्मा, टिल्ला अग्रवाल, रंजीत, अवधलाल, अमरचंद, अशोक, शीलेन्द्र, किशन, पटुआ, वीरपाल, आजाद भोला चन्दा आदि सहित 40 लोगों की दुकानें जलकर राख हो गई है। जिनमें हलवाई, चाय, सब्जी की दुकानें शामिल है।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। संभावना यह भी है कि किसी अराजक द्वारा दुकानों में आग लगाने की शरारत की गई हो। फिलहाल पूर्ण रूप से जांच होने के बाद ही आग लगने की सही वजह की आधिकारिक पुष्टि की जा सकेगी। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

रेलवे रोड के सहारे काठ के खोखो में लगी आग के दौरान फायर स्टेशन पर फोन करने के बाबजूद फायर विग्रेड की गाड़ियां एक घण्टा देरी से पहुंचने पर पुलिस को आक्रोशित लोगों के कोप का भाजन बनना पड़ा। गुस्साए लोगों ने पुलिस प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाने शुरू कर दिए।

राया कस्बे के रेलवे रोड काठ बाजार में लगी आग की घटना को देखकर लोगों ने अधिकारियों को फोन करने शुरू कर दिए। लोगों ने डीएम मथुरा, एसडीएम मांट महावन सहित अधिकारियों को फोन मिलाये, लेकिन किसी अधिकारी ने लोगों के फोन नहीं उठाये। अंत में लोगों ने एसएसपी शैलेश कुमार पांडे को फोन मिलाया, तत्काल उन्होंने फोन रिसीव किया और घटना की जानकारी लेकर कंट्रोल रूम को सूचित किया। इसके बाद आला अधिकारी राया की तरफ दौड़ते दिखाई दिए।

सभागार में सैनिक बन्धुओं की मीटिंग आयोजित हुई

मीडिया फॉर यू

बिजनौरः अतीक अहमद

चांदपुर बिजनौर के जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक आयोजित की गई जिलाधिकारी द्वारा पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं का सर्वोच्च वरीयता एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के लिए विशेष जोर दिया गया उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है और उनके सहयोग के लिए सदैव तत्पर है बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा दिनांक 04 अक्टूबर 2023 को सिक्किम में आई अचानक बाढ़ में कर्तव्यपालन के दौरान शहीद सिपाही नितिन कुमार निवासी ग्राम-

भवानीपुर पो०- रायपुर बेरिसाल तह० व जिला-बिजनौर के शहीद के परिवार को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता के रूप मे 35 लाख रुपए का चेक उनकी पत्नी श्रीमती माला एवं 15 लाख रुपए का चेक उनकी माता श्रीमती कौशल्या देवी को भेट किया गया

उन्होंने पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों से मौके पर प्राप्त शिकायतों को एवं उनके द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से सुना और शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समयबद्वता के साथ नियमानुसार कार्यवाही करते हुए प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये उन्होंने पूर्व की बैठक में प्राप्त शिकायतों की आख्या की भी समीक्षा की बैठक के दौरान पूर्व सैनिक बन्धुओं सेवारत सैनिकों द्वारा भूमि विवाद पुलिस आदि से संबंधित अन्य शिकायतों को प्रस्तुत किया गया जिसको गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को उक्त समस्याओं के मानक के अनुरूप निस्तारण के लिए आवश्यक निर्देश दिए उन्होने कहा कि कोई भी पूर्व सैनिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के माध्यम से किसी भी कार्य दिवस में उनके कार्यालय में उपस्थित हो सकते है

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रामअर्ज मुख्य चिकित्साधिकारी विजय कुमार गोयल जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन ए0 के0 गुप्ता सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे

खण्डहर में चल रहा है राजकीय बालिका इंटर कॉलेज उतरौला

मीडिया फॉर यू

देवीपाटन मंडल प्रभारी हाजी निसार उस्मानी

बलरामपुरः जनपद का एक मात्र राजकीय बालिका इंटर कालेज उतरौला ऐसा बालिका विद्यालय है जहां की करीब डेढ़ सौ छात्राओ को विज्ञान विषय में प्रयोग सीखने के लिए दूसरे विधालय में जाना पड़ता है। इस विधालय में छात्रों के लिए विज्ञान विषय की प्रयोगशाला भवन बीसों वर्ष बीतने पर निर्माण नहीं हो सका।

जनपद की सबसे पुरानी तहसील उतरौला मुख्यालय पर एक मात्र राजकीय बालिका इंटर कॉलेज उतरौला पुराने तहसील भवन में चल रहा है। तहसील भवन 1875 का निर्मित होने से इसमें नये भवन का निर्माण न होने से धीरे धीरे भवन खण्डहर सा हो गया। करीब बीस वर्ष पहले तहसील का स्थानांतरण आसाम रोड किनारे बने नवनिर्मित भवन में होने पर प्रशासन ने इस पुराने भवन में राजकीय बालिका इण्टर कालेज उतरौला का संचालन शुरू किया। इस समय इस विधालय में करीब पांच सौ छात्राएं पढ़ती है। इसमें विज्ञान विषय की हाई स्कूल व इण्टर कक्षाओं की 150 छात्राएं पढ़ती है। परन्तु विज्ञान विषय के प्रयोगशाला के लिए भवन नहीं है। विज्ञान प्रयोगशाला के लिए भवन न होने से शासन से प्रतिवर्ष आने वाले प्रयोगशाला उपकरण एक छोटे से कमरे में गोदाम बनाकर रख दिया जाता है। विज्ञान प्रयोगशाला न होने से छात्राओं को अध्यापक प्रयोगशाला के माध्यम से प्रशिक्षित नहीं कर पाते हैं। शिक्षा विभाग ने बालिकाओं की समस्याओं को देखते हुए नगर के मोहम्मद युसुफ उस्मानी इण्टर कालेज उतरौला के विज्ञान प्रयोगशाला में हर माह भेजा जाता है। वहां पर किसी तरह छात्राएं साइंस व जीव विज्ञान विषय की प्रयोगशाला से प्रशिक्षित हो पाती है। बताते चलें कि बोर्ड परीक्षा में विज्ञान प्रयोग में छात्राओं को उत्तीर्ण होने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। विधालय में भवन निर्माण न होने का मुख्य कारण पुरानी तहसील की भूमि व भवन का हस्तांतरण शिक्षा विभाग को बीसों वर्ष में न किया जाना है। विधायक राम प्रताप वर्मा ने बताया कि भवन व भूमि को तहसील के राजस्व विभाग से शिक्षा विभाग को हस्तानांतरण की प्रक्रिया जिलाधिकारी के सामने कार्यवाही हेतु विचाराधीन है। जल्द ही उनकी संस्तुति मिल जाएगी और उसके बाद शासन को भेजा जाएगा।

08 MAY 2024 M4U:Layout 1 07-May-24 10:26 PM Page 4

संक्षिप्त समाचार

पुलिस द्वारा ऑपरेशन जागृति कार्यक्रम आयोजित कर किया गया जागरूक

मीडिया फॉर यू ब्यूरो, शैलेंद्र कुमार

मथुरा: अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन, आगरा द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन जागृति अभियान के क्रम में आज दिनांक 07 मई "ऑपरेशन जागृति" अभियान के तहत थाना गोविन्द नगर पुलिस टीम द्वारा ऑपरेशन जागृति कार्यशाला का आयोजन कर महिलाओं जागरूक किया गया । ऑपरेशन जागृति अभियान के क्रियान्वयन उद्देश्य एवं अभियान को सफल बनाने के संबंध में साइबर अपराध, बालिकाओं को साइबर हिंसा/यौन शोषण से बचाव हेतु जागरूक व सचेत करना, पॉक्सो अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों के प्रति जागरूक व सचेत करना, किशोर/किशोरियों के साथ हेल्दी रिलेशनशिप व जीवनशैली पर अभिभावकों को जागरूक करना, महिलाओं/बालिकाओं को अपने अधिकारों व सुरक्षा के बारे में समझ व जागरूकता पैदा करना। समुदाय को झूठे मुकदमों से होंने वाली क्षति के बारे में जागरूक करना व ऐसे मामलों में कमी लाना । विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा हेतु बनाए गए कानूनों का दुरुपयोग के प्रति लोगों को सचेत करना ।

अधिकारियों ने धनौरा रोड पर हो रहे निर्माण का निरीक्षण किया

मीडिया फॉर यू, बिजनौर: अतीक अहमद

चांदपुर बिजनौर के जिलाधिकारी ने शिव सैनिकों की शिकायत के बाद उप जिलाधिकारी चांदपुर व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की लगाई क्लास शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय बिजनौर में जिलाधिकारी अंकित अग्रवाल को लोक निर्माण विभाग एवं ठेकेदारों की मिली भगत से चांदपुर धनौरा रोड का निर्माण मानकों के विरुद्ध चल रहा है जिसकी शिकायत शिवसेना के कार्यकताओं ने जिलाधिकारी से की थी जिलाधिकारी ने तुरंत ही लिया एक्शन अधिकारियों की लगा दी क्लास अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर शिवसेना जिला प्रमुख से मांगा है 8 दिन का समय और यदि 8 दिन के बाद भी शिकायत का निस्तारण नहीं किया गया तो चौधरी वीर सिंह ने कहा शिव सैनिक बड़े समूह के साथ कलेक्टर परिसर में करेंगे धरना प्रदर्शन धमकी दे रहे ठेकेदारों मैं भी मची खलबली

थाना गैण्डास बुजुर्ग क्षेत्र के दो लोगों की सड़क हादसे में मौत , चार की हालत गंभीर गांव में छाया मातम

मीडिया फॉर यू, देवीपाटन मंडल प्रभारी हाजी निसार उस्मानी

बलरामपुर: रोजी रोटी के सिलसिले में पूना के लिए घर से निकले जालना(महाराष्ट्र)में उतरौला क्षेत्र के दो युवकों की सड़क हादसे में हुई मौत,चार लोगों की हालत गंभीर।गांव में मातम पसरा परिजनों का रो रोकर बुरा हाल। थाना गैंडास बुजुर्ग क्षेत्र के ग्राम धोबहा निवासी मुकेश कुमार उर्फ छोटू , अरविंद पुत्र गण मेवालाल व संजय पुत्र मिठाई लाल 36वर्ष, आकाश उर्फ गोलू पुत्र बृज मोहन 18वर्ष,तथा टेढ़वा ऐमा निवासी रवि कुमार पुत्र बहोरी 19वर्ष पांच मई 2024 रविवार को मझौव्वा कुरथुवा निवासी तबरेज नियाजी के साथ कार में सवार होकर रोजी रोटी के लिए पूना जा रहे थे सोमवार को महाराष्ट्र प्रदेश के जालना शहर पहुंचते ही सड़क दुर्घटना में मुकेश कुमार उर्फ छोटू 22वर्ष व रवि 19वर्ष की घटना स्थल पर मौत हो गई,जबकि तबरेज नियाजी,संजय,आकाश उर्फ गोलू गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों का उपचार जालना शहर के अस्पताल में चल रहा है।सड़क हादसे की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

उतरौला से तुलसीपुर देवीपाटन मंदिर जाने वाली मुख्य सड़क उतरौला से गौरा चौराहे तक कई वर्षों से उखड़ कर गड्ढे में तब्दील

मीडिया फॉर यू ब्यूरो, मसीउद्दीन खान मस्सू, उतरौला बलरामपुर

उतरौला बरदही बाजार चौराहे से देवीपाटन मंदिर जाने वाली सड़क कई वर्षों से बहुत दयनीय स्थिति में है ।जबकि अयोध्या व तमाम क्षेत्र के श्रद्धालुओं को देवीपाटन मंदिर जाने के लिए बलरामपुर होकर जाना पड़ता है। जबकि अगर उतरौला होकर जाया जाए तो बा मुश्किल तुलसीपुर आधे घंटे में पहुंचा जा सकता है। क्योंकि उतरौला से देवीपाटन तुलसीपुर की दूरी मात्र 26 किलोमीटर है जबकि उतरौला से बलरामपुर होकर जाने में 60 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। यह महत्वपूर्ण रोड उतरौला से गौरा अगर बन जाए तो श्रद्धालुओं व इस क्षेत्र के तमाम आने जाने वाले लोगों को बहुत बड़ी कठिनाई से बच जाएंगे। इस महत्वपूर्ण सड़क के बन जाने से उतरौला के लोगों को भी व्यापार में बढ़ोतरी होगी और जो दूरी 2 घंटे में तय करनी पड़ती है वह दूरी भी आधे घंटे में तय की जा सकती है। इस महत्वपूर्ण सड़क को अगर चौड़ी करके बना दिया जाए तो आने वाले दिनों में उतरौला देवीपाटन मंदिर व अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं का केंद्र बिंदु बन जाएगा। अब देखना है कि इस महत्वपूर्ण सड़क पर हमारे नेताओं प्रतिनिधियों की नजर पड़ती भी है कि नहीं पड़ती है। पता नहीं क्यों इस महत्वपूर्ण सड़क की अनदेखी की जा रही है। जबकि इस महत्वपूर्ण सड़क को बनाया जाना जनहित में बहुत जरूरी है।

कृष्णकुलम के विद्यार्थियों ने राजकीय संग्रहालय का भ्रमण किया

मीडिया फॉर यू ब्यूरो, जितेंद्र शर्मा

मथुरा: छात्र-छात्राओं को किताबी ज्ञान के साथ-साथ ही ब्रज की संस्कृति एवं इतिहास से अवगत कराने के लिए मंगलवार को कृष्णकुलम विद्यालय के कक्षा प्रथम से 12वीं तक के छात्र और छात्राओं को डेंपियर नगर में स्थित राजकीय संग्रहालय का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने संग्रहालय में रखी वस्तुओं को न केवल देखा बल्कि शिक्षक से तरह-तरह के सवाल पूछ कर ज्ञान प्राप्त किया।

शैक्षिक भ्रमण में छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षक के द्वारा किया गया। छात्र-छात्राओं ने संग्रहालय में रखें पेंटिंग, मूर्ति कला सहित अन्य सामान व उल्लेखनीय संग्रह देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यालय के सेक्रेटरी इंजीनियर दीपक मुकुटमणि ने कहा कि संग्रहालय और शिक्षा को अलग करके नहीं देखा जा सकता। इससे जो शिक्षा मिलती है वह स्थाई होती है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य शुभम गोधर ने कहा कि चार छात्राओं के लिए पुस्तक के ज्ञान की तरह शैक्षिक भ्रमण का बहुत महत्व है सभी बच्चों का स्वागत राजकीय संग्रहालय के कर्मचारियों ने गर्मजोशी के साथ किया, राजकीय संग्रहालय के सहायक निदेशक योगेश कुमार ने बताया कि संग्रहालय में कुषाण काल के राजा कनिष्क सहित इस काल की कई अनमोल मूर्तियां मौजूद हैं। जो उस समय के राजाओं के पहनावे के साथ ही शस्त्र, अस्त्र आदि का परिचय देती हैं। राजा कनिष्क ने मांट स्थित टीला इटोकरी में अपने कुल की स्थापना की थी। यहीं से सन 1912 में राजा कनिष्क, उनके पिता की मूर्तियां खोदाई में निकलीं जो राजकीय संग्रहालय में मौजूद हैं। इसके अलावा कटरा बुद्ध की प्रथम प्रतिमा भी इसी संग्रहालय में मौजूद है। जो बौद्ध अनुयायियों के लिए विशेष आस्था का केंद्र हैं। अंग्रेजी हुकूमत के दौरान मथुरा में की गई खोदाई में दुर्लभ कलाकृति, संस्कृति से सुसज्जित मूर्तियां निकलीं। इनमें कालखंड बुद्ध, महावीर, मौर्या, शुंगकाल, शक, उत्तर शुंगवंश, कुषाण काल, गुप्त काल, पूर्व और उत्तर मध्य काल की मूर्तियां हैं। मथुरा संग्रहालय का निर्माण सन् 1874 में मथुरा क्षेत्र के कलेक्टर एफ.एस. ग्रोस ने करवाया था। सन् 1930 में लाल बलुआ पत्थरों की नई इमारात बनने के पश्चात संग्रहालय की सभी वस्तुओं को पुरानी इमारत से यहाँ स्थानांतरित कर दिया गया था। इस भ्रमण में सभी अध्यापक और अध्यापिकाओं ने का पूर्ण रूप से सहयोग रहा।

छाता नंदगांव ब्लॉक में धड़ले से चल रहे हैं, दर्जनों बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय, बच्चों का भविष्य अंधकार में

मीडिया फॉर यू ब्यूरो, जितेंद्र शर्मा

मथुरा: बिना मानकों के चल रहे विद्यालयों पर कब होगी कार्रवाई, अधिकारियों ने सादी चुप्पी जनपद में शिक्षा विभाग के द्वारा जारी फरमान हुआ हवा हवाई मथुरा जिले के विभिन्न इलाकों में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय दर्जनों नहीं सैकड़ो की संख्या में चल रहे हैं । स्थानीय संवाददाताओं की टीम द्वारा कोसी कलां छाता क्षेत्र मैं विद्यालयों का रियलिटी चेक करने के लिए गांव बरचावली मैं पहुंचे जो नंदगांव ब्लॉक में लगता है। बरचावली गांव में शिव विद्या पब्लिक स्कूल, इंडियन पब्लिक स्कूल, श्री गणेश भगवान विधा मंदिर एवं अन्य विद्यालयों के रियलिटी चेक की , इन विद्यालयों में मनमानी फीस के अलावा मानकों के अनुरूप कार्य को अंजाम दिया जा रहा है, एवं तरह-तरह के अवैध शुल्क लिए जा रहे हैं। इससे बच्चों के अभिवावकों की जेबें ढीली हो रही है। वहीं जब शिव विद्या पब्लिक स्कूल और इंडियन पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य से बातचीत की गई तो किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए और उल्टे सीधे सवालों में अपने विद्यालय का स्पष्टीकरण दिया। ब्लॉक स्तर से लेकर जिले स्तर के आला अधिकारियों के द्वारा जॉच के नाम पर केवल खाना पूर्ति कर दी जाती है, शासनादेश जारी होने के बाद भी मथुरा जिले के छाता ,नंदगांव आदि ब्लाकों में बिना मानकों के गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय जगह-जगह चलते दिखाई दे रहे हैं जिससे बच्चों का भविष्य अंधकार में बना हुआ हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में दर्जनों की संख्या में गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों का कारोबार खूब फल फूल रहा है। खंड शिक्षा अधिकारी को ऐसे स्कूलों का चिंहित करने की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन प्रधानाचार्य एवं संबंधित अधिकारियों के मिली भगत होने के कारण वह भी अभी सोए हुए हैं। अब देखना यह होगा की बिना मान्यता प्राप्त विद्यालयों को सरकार बंद भी कर पाएगी या फिर इसी तरह बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय सरकार के आदेशों की धज्जियां खुले आम उड़ाते नजर आएंगे।

दवा विक्रेता वेलफेयर एसोसिएशन ने भाजपा प्रत्याशी को दिया समर्थन

उन्नाव (वार्ता)। दवा विक्रेता वेलफेयर एसोसिएशन ने गदन खेड़ा बाइपास स्थित एक होटल में मंगलवार को लोकसभा उन्नाव के सांसद और भाजपा प्रत्याशी डॉ साक्षी महाराज के समर्थन में दवा विक्रेता जनों की बैठक संपन्न हुई। जिसमें भारी संख्या में दवा विक्रेताजनों ने उपस्थित होकर सांसद भाजपा प्रत्याशी डॉ साक्षी महाराज को उन्नाव से तीसरी बार सांसद बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सदर विधायक पंकज गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा 'भानू', वरिष्ठ समाजसेवी संजय त्रिपाठी एम डी होटल मस्कट इन,ओम साईं शिशु मंदिर विद्यालय के प्रबंधक शुभद्रेश मिश्रा, बालाजी कल्याण समिति से पूतन शुक्ला मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक संजय त्रिपाठी व अध्यक्ष उन्नाव दवा विक्रेता वेलफेयर एसोसिएशन मयंक बाजपेई, महामंत्री रिषभ पांडे, सचिव विवेक दीक्षित, अनुराग यादव, शिवम द्विवेदी नेत्रांश सत्यम पांडे, आकाश, प्रबल अवस्थी, शरद तिवारी, उज्जवल, शशांक बाजपेई, मनीष गुप्ता, शैलेन्द्र, आनंद मिश्रा,अमित यादव, गौरव दीक्षित, अभिलाष शर्मा, प्रियांशु, शोभित चौरसिया, प्रिंस पांडे सूरज, दिवाकर, बच्चन सिंह, राधामोहन मिश्रा, सहित एसोसिएशन के समस्त दवा विक्रेता जनों मौजूद रहें। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ संचालक मनीष सिंह ने किया। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक संजय त्रिपाठी व दवा एसोसिएशन के अध्यक्ष मयंक बाजपेई ने सभी को धन्यवाद दिया और आगामी 13 मई को शत-प्रतिशत मतदान के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए भी आग्रह किया।

पत्रकार प्रेस महासंघ ने पत्रकारों के स्वास्थ्य हेतु ढाई ढाई लाख का बीमा वितरण किया

मीडिया फॉर यू

बिजनौर: अतीक अहमद

चांदपुर के ग्राम जलीलपुर में पत्रकार प्रेस महासंघ की मीटिंग संगठन के जिला महासचिव परीक्षित गुप्ता की अध्यक्षता व पत्रकार अकरम खान के संचालन में संपन्न हुई प्राप्त समाचार के अनुसार पत्रकार प्रेस महासंघ बिजनौर इकाई की एक बैठक जिला अध्यक्ष विकास शर्मा के निर्देशन में ब्लॉक जलीलपुर मे डॉक्टर राहुल के स्थान पर आयोजित की गई आपको बता दे कि जनपद में पत्रकारों के दर्जनों संगठन काम कर रहे हैं जिसमे एक संगठन पत्रकार प्रेस महासंघ ऐसा है जो पत्रकारो के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ढाई ढाई लाख रुपए का बीमा करता है जनपद में पत्रकार प्रेस महासंघ से जुड़े पत्रकारों को लगातार बीमा वितरण किए जा रहे हैं बैठक में संगठन के विस्तार सहित पत्रकारों की समस्याओं पर चर्चा की गई तथा पत्रकारों की समस्याओं को तत्काल निदान के लिए आलाधिकारियों को अवगत कराने सहित जिला प्रशासन से समस्याओं के मुद्दे पर शीघ्र मिलने की योजना बनाई गई संगठन को विस्तार देते हुए नए साथी पत्रकार अकरम खान को सदस्यता ग्रहण कराई गई कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला महासचिव परीक्षित गुप्ता ने पत्रकार भुवन राजपूत पत्रकार नरेंद्र राजपूत पत्रकार डॉक्टर राहुल को संगठन के परिचय पत्र एवं ढाई ढाई लाख रुपए का बीमा दिया गया संगठन के पदाधिकारियो द्वारा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई वहीं संगठन को मजबूती दिलाने और संगठन में नए सदस्यो को जोड़ने का आह्वान किया गया पत्रकार प्रेस महासंघ द्वारा सीतामढ़ चौकी प्रभारी प्रमोद कुमार जी को उनकी कर्मठता के लिए गायत्री मंत्र और पत्रकार प्रेस महासंघ की डायरी देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर जिला महासचिव परीक्षित गुप्ता जिला सह मीडिया प्रभारी इरफान अंसारी जिला कार्यालय प्रभारी मोहम्मद अजमल डॉक्टर राहुल भुवन राजपूत अकरम खान राहुल नरेंद्र राजपूत आदि दर्जनो पत्रकार मौजूद रहे

झूठे वादों पर चुनाव जीतने का कांग्रेस का सपना चार जून को टूट जाएगा : राहुल प्रधान

मीडिया फॉर यू ब्यूरो, जितेंद्र शर्मा

मथुरा: पूर्व भाजपा किसान मोर्चा फायर ब्रांड नेता राहुल प्रधान ने मगलवार को दावा किया कि कांग्रेस भ्रम में जी रही है और झूठे वादों पर चुनाव जीतने का उसका सपना चार जून को तब टूट जाएगा, जब नतीजे घोषित किए जाएंगे. भारतीय जनता पार्टी (किसान मोर्चा) के नेता ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वह अपना नारा ह्यडरो मत' भूल गए हैं और लोकसभा चुनाव में हार के डर से एक सीट से दूसरी सीट पर भाग रहे हैं. उन्होंने कहा, ह्यपहले वह अमेठी से वायनाड भागे और अब वह रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं. रायबरेली से भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ होना निश्चित है. श्री प्रधान ने उम्मीद जताई कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 से ज्यादा सीट जीतेगा. विपक्षी दलों पर अपना प्रहार तेज करते हुए पूर्व भाजपा किसान मोर्चा फायर ब्रांड नेता राहुल प्रधान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने 60 साल के शासन के दौरान भारत की हजारों एकड़ भूमि विदेशी शक्तियों को दे दी राहुल प्रधान ने कहा कि उन्होंने (कांग्रेस ने) कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दे दिया, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 10 साल में सेना को मजबूत किया. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में विदेशी ताकतों का हाथ साफ तौर पर दिख रहा है भाजपा नेता ने कहा कि हद तो तब हो गई जब उनकी बुरी नजर आपके बच्चों की पैतृक संपत्ति पर पड़ी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने अब तक इस मुद्दे पर कोई सफाई नहीं दी है. श्री प्रधान ने कहा कि कांग्रेस नेता यह झूठ फैला रहे हैं कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो आरक्षण और संविधान को खत्म कर देगी. उन्होंने कहा, ह्व देश के लोग जानते हैं कि किसने आपातकाल लगाया था और किसने 62 बार संविधान बदला है.

नामांकन पत्रों की जांच के दौरान 05 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र हुए खारिज

>> नामांकन पत्रों की जांच में कुल 13 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र पाए वैध

मीडिया फॉर यू

देवीपाटन मंडल प्रभारी हाजी निसार उस्मानी

श्रावस्ती : 58 संसदीय श्रावस्ती सीट के लिए रिटर्निंग ऑफिसर / निर्वाचन अधिकारी अरविंद सिंह की उपस्थिति में नामांकन पत्रों की सवीक्षा सकुशल , निष्पक्ष रूप से संपन्न हुई ।

नामांकन पत्रों की जांच के दौरान कुल 05 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र खारिज किए गए । धीरेंद्र प्रताप सिंह समाजवादी पार्टी , बालमुकुंद निर्दलीय , अशरफ हुसैन शाह निर्दलीय , चंद्र प्रकाश द्विवेदी निर्दलीय , कृष्ण कुमार भारतीय लोकमत राष्ट्रवादी पार्टी का नामांकन पत्र खारिज किया गया।

नामांकन पत्र की जांच में वैध पाए गए प्रत्याशी 9 मई को नामांकन पत्र वापस ले सकेंगे । इसके उपरांत लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र श्रावस्ती से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को सूची अंतिम हो जाएगी।

प्रत्याशी जिनके नामांकन पत्र वैध पाए गए

1 - साकेत मिश्रा - भाजपा
2 -राम शिरोमणि वर्मा - सपा
3 -हनुमान प्रसाद - किसान मजदूर संघर्ष पार्टी
4 - शांतिदेवी - निर्दलीय
5 -मोइनुद्दीन अहमद खान - बसपा
6 - सुजीत कुमार - बहुजन मुक्ति पार्टी
7 - अनिल कुमार तिवारी - निर्दलीय
8 - युगल किशोर शुक्ला - आम जनता पार्टी
9 - अहमद जिया खान - पीसपार्टी
10- कुमारी गीता गौतम - राष्ट्रीय जनता पार्टी
11 - मालिक राम - निर्दलीय
12 मो शफीक - निर्दलीय
13 कृष्ण कुमार - सम्यक पार्टी

विद्युत पेंशनर्स परिषद उत्तर प्रदेश शाखा मुरादाबाद की मासिक बैठक संपन्न

मीडिया फॉर यू ब्यूरो

मुरादाबाद। दिनांक 7 मई को विद्युत पेंशनर्स परिषद उत्तर प्रदेश, शाखा मुरादाबाद की मासिक बैठक परिषद के कार्यालय कोठी न०5,सिविल लाइन मुरादाबाद मै सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता इं0 ऐ०के० सिंघल जी ने की। श्री एस०एस० यादव ने मुख्य रूप से वर्तमान में मुरादाबाद के किसी भी अस्पताल का विद्युत विभाग के पैनल पर न होने का मुद्दा उठाया,जो कि एक बहुत गंभीर समस्या है।इस सम्बंध मै परिषद के सचिव से समुचित कार्यवाही की अपेक्षा की। श्री एस०पी० शर्मा द्वारा यह सुझाव भी दिया गया कि मुरादाबाद शाखा के सदस्यों की एक डायरेक्टरी तैयार की जाय जिसमे सभी सदस्यों का जरूरी विवरण अंकित हो। बैठक में संगठन के सदस्य और मुरादाबाद के प्रसिद्ध कवि श्री ओंकार सिंह ओम,मशहूर शायर श्री अनवार कैफी ने सुंदर गजलें प्रस्तुत की।बैठक को संगठन के सचिव श्री एस०पी०सिंह ने सम्बोधित किया और मुरादाबाद के प्रमुख अस्पतालों को विधुत विभाग के पैनल पर लाने हेतु प्रभावी कार्यवाही करने का भरोसा सदस्यो को दिलाया।बैठक के अंत मे संगठन के वरिष्ठ सदस्य इं0 एफ० सी० शर्मा सेवा निवृत्त सहायक अभियंता की पत्नी और श्री राकेश गुप्ता सेवा निवृत्त अवर अभियंता की पत्नी के निधन पर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण किया। बैठक मे ए0के0सिंघल, एस0पी0शर्मा, एस0एस0यादव, एस0पी0सिंह सचिव, सुशील कुमार गुप्ता वित्तसचिव,रामअवतार रुहेला, के० के० सरीन, फहीम अहमद,अली माजिदन खान,विजय सिंह यादव, जीवन सिंह राणा राकेश गुप्ता, के०जी० सक्सेना,अनिल कुमार सहित लगभग 30 सदस्यों ने भाग लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, नीरज कुमार गुप्ता ने मैं0 मोनेक्स ऑफसेट एस डी कांप्लैक्स निकट एमएमजी अस्पताल जी टी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित कराकर बी 10/6 उमेश पार्क, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय होगा। मोबाइल नं. 9870629696 संपादक नीरज कुमार गुप्ता